रजिस्ट्री सं॰ डी॰ एल॰-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 476] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 26, 2007/वैशाख 6, 1929
No. 476] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 2007/VAISAKHA 6, 1929

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2007

का.आ. 654(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अवधारित करती है कि :–

(क) "महात्मा बसवेश्वर" की स्मृति में केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन ज़ारी करने के लिए टकसाल में पांच रुपए अंकित मूल्य के सिक्के का निर्माण भी किया जाएगा, अर्थात् :–

(ख) उक्त अधिनियम की धारा 6 के उपबंधों के अनुसार निर्मित किए जाने वाले उपरोक्त अंकित मूल्य का सिक्का निम्नलिखित विमाओं, डिजाइन और संरचना के अनुरूप होगा अर्थात् :–

सिक्के का अंकित मूल्य	आकृति और बाह्य व्यास	धातु संरचना	सिरेशनों की संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)
पांच रुपए	गोल सुरक्षा किनारों सहित 23 मिलीमीटर	फेरिक स्टेनलैस स्टील लोहा 82 प्रतिशत क्रोमियम 18 प्रतिशत	–

डिजाइन

पांच रुपए

मुख भाग

सिक्के के मुख भाग पर केन्द्र में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष होगा जिसके नीचे "सत्यमेव जयते" इबारत अंतर्लिखित होगी, उसकी ऊपरी बाईं परिधि पर हिन्दी में "भारत" शब्द और ऊपरी दाईं परिधि पर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द होगा। इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य "5" भी होगा और निचली बाईं परिधि पर हिन्दी में "रुपए" शब्द और निचली दाईं परिधि पर अंग्रेजी.में "RUPEES" शब्द होगा।

पृष्ठ भाग

सिक्के के पृष्ठ भाग पर केन्द्र में "महात्मा बसवेश्वर" की प्रतिकृति होगी और बाईं ऊपरी परिधि पर हिन्दी में "महात्मा बसवेश्वर" शब्द और दाईं ऊपरी परिधि पर अंग्रेजी में "MAHATMA BASAVESWARA" शब्द होंगे। प्रतिकृति के नीचे हिन्दी में "भक्ति-कायक-दासोह-समना" शब्द दर्शित होंगे। परिधि पर 52 मनके होंगे।

5 रुपए के सिक्के लिए सुरक्षा किनारा

सिक्के का किनारा उसकी परिधि का सुरक्षा किनारा होगा। किनारे के मध्य में रिक्त जगहों द्वारा पृथक किए हुए दो खंडों के अंदर की ओर डिजाइन में उथला खांचा होगा। इस डिजाइन में उभार में मनकों की शृंखला अंतर्विष्ट होगी और प्रत्येक मनका उभार में झुकी हुई एक पंक्ति द्वारा अनुगम किए होगा । इसमें कुल 30 पंक्तियां और 30 मनके होंगे ।

[फा. सं. 13/7/2004-सिक्का-II]

अशोक अजमानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 2007

S.O. 654(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central Government hereby determines that :—

(a) the coin of Five Rupees denominations with the theme "MAHATMA BASAVESWARA" shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government to commemorate the occasion of "MAHATMA BASAVESWARA";

(b) the coin of the above denomination hereafter to be coined in accordance with the provisions of Section 6 of the said Act shall conform to the following dimension, design and composition, namely :—

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Metal composition	Number of serration
(1)	(2)	(3)	(4)
Five Rupees	Circular 23 millimeters with security edges	Ferritic Stainless Steel containing—Iron 82% Chromium—18%	—

DESIGNS

FIVE RUPEES

OBVERSE

This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka Pillar with the legend "सत्यमेव जयते" inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word "भारत" in Hindi and on the right upper periphery flanked with the word "INDIA" in English. It shall also bear the denominational value "5" in International Numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" in Hindi and right lower periphery with the word "RUPEES" in English.

REVERSE

This face of the coin shall bear the portrait of "MAHATMA BASAVESWARA" flanked on the left upper periphery with the words "महात्मा बसवेश्वर" in Hindi, and on the right upper periphery "MAHATMA BASAVESWARA" in English. The words "भक्ति-कायक-दासोह समना" in Hindi shall be shown below the portrait. There shall be 52 beads on the periphery.

SECURITY EDGE FOR 5 RUPEES

The edge of the coin shall be security edge on periphery. At the center of the edge there shall be shallow groove with a design inside the two sections separated by blank spaces. This design shall consists of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be total 30 lines and 30 beads.

[F. No. 13/7/2004-Coin II]

ASHOK AJMANI, Under Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.